अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व ज्ञान (वर्ष : 2022) दिनांक : 20.08.2022

समय सीमा : 3 घंटा पंचम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

नव पदार्थ–निर्जरा, बंध, मोक्ष–50

प्र. 1 किन्हीं आठ प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें– 16

(**निर्जरा**–किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें)

(क) अंतराय कर्म के क्षयोपशम से कितने व कौन-कौन से गुण उत्पन्न होते हैं?

(ख) मिथ्यात्वी के जघन्य उत्कृष्ट कितने अज्ञान होते हैं?

(ग) कौन से सूत्र के कौन से अध्ययन में मोक्ष के चार मार्ग बताये गये हैं?

(घ) निर्जरा को समझाने के लिए यह प्रथम जोड़ किस शहर, संवत, तिथि व वार को की गई है?

(ङ) उत्तराध्ययन सूत्र में इत्वरिक अनशन के कौन से छह प्रकार बताये गये हैं?

(च) स्थविर का वैयावृत्य कितने प्रकार का होता है, केवल नाम बतायें?

(**बंध**–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें)

(छ) 'बुज्झेज्ज तिउट्टेज्जा' का क्या अर्थ है?

(ज) आत्मा के साथ बंधने वाले कर्म कितने प्रदेशी एवं कितने स्पर्श वाले होते हैं?

(झ) नाम गौत्र कर्म की जघन्य उत्कृष्ट स्थिति लिखें।

(**मोक्ष**–किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें)

(ञ) मोक्ष के अभिवचन के केवल नाम लिखें।

(ट) जघन्य, उत्कृष्ट व मध्यम अवगाहना से एक समय में कितने जीव सिद्ध हो सकते हैं?

(ठ) अनाश्रव का फल व व्यवदान का फल क्या है?

प्र. 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर व्याख्या सहित लिखें– 10

(क) **निर्जरा**–कर्मों के उदय में आने पर जीवों में कितनी प्रकार की औदयिक भाव, अवस्थाएं उत्पन्न होती है?

अथवा

निर्जरा के स्वरूप को स्पष्ट करने के लिए तेराद्वार में कौन से दृष्टांत दिये गये हैं?

(ख) **बंध व मोक्ष**–सिद्ध करें कि बंध एक स्वतंत्र तत्त्व है?

अथवा

सिद्ध जीव की अवगाहना कितनी होती है?

प्र. 3 निम्न प्रश्नों के उत्तर विस्तार सहित लिखें– 24

(क) **निर्जरा**–उदीरणा की प्रक्रिया को स्पष्ट करते हुए लिखें कि क्या उदीरणा सभी कर्मों की संभव है?

अथवा

जयाचार्य ने कौन-कौन से आगमों के उदाहरण द्वारा सिद्ध किया है कि इहलोक-परलोक हेतु की गई तपस्या अकाम निर्जरा है?

(ख) **बंध और मोक्ष**–भगवती सूत्र में वर्णित भिन्न-भिन्न कर्मों के बंध हेतुओं का उल्लेख करें।

अथवा

सिद्ध जीव लोकाग्र पर जाकर क्यों रूक जाता है? सिद्ध जीव की अवगाहना कितनी होती है?

अवबोध (तप धर्म से बंध व विविध तक)–30

प्र. 4 किन्हीं नौ प्रश्नों के उत्तर एक दो वाक्य में दीजिए– 18

(क) तप का क्या महत्त्व है?

(ख) काय क्लेश व परीषह में क्या अन्तर है?

(ग) तीन भाव कहां होते हैं?

(घ) निकाचना किसे कहते हैं?

(ङ) भाव करण किसे कहते हैं?

(च) तपस्या कितने भाव? कितनी आत्मा?

(छ) स्वभाव को कारण क्यों कहा गया है?

(ज) क्या कर्म के उदय के बिना भी कर्म का बंध हो सकता है?

(झ) जीव विपाक किसे कहते हैं?

(ञ) काय क्लेश किसे कहते हैं उसके कितने प्रकार हैं केवल संख्या लिखें?

(ट) आत्म प्रदेश अधिक है या कर्म प्रदेश?

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखें– 12

(क) अनोदरी किसे कहते हैं, उसके कितने प्रकार हैं?

(ख) आत्मा चेतन पर कर्म जड़ का प्रभाव कैसे पड़ता है, निर्जरित कर्म वर्गणा चतुस्पर्शी ही रहती है या अष्टस्पर्शी भी हो सकती है?

(ग) क्षयोपशमिक भाव के कितने प्रकार हैं?

(घ) आयुष्य कर्म बंध के क्या कारण हैं?

प्र. 6 कोई चार पद्य लिखें– 12

(क) सम्यग्दर्शन के लक्षण वाला पद्य लिखें।

(ख) जैन संस्कार विधि उपलब्ध है, वहां, कहां और कैसे उपयोगी बनती है, संबंधित भाव वाला पद्य लिखें।

(ग) पचांग प्रणति वाला पद्य लिखें।

(घ) अनेकान्त वाला पद्य लिखें।

(ङ) 'अम्मापिउसमान' वाला पद्य लिखें।

(च) संयुक्त परिवार प्रथा का वर्णन है, वह पद्य लिखें।

प्र. 7 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 8

(क) किस आचार्य ने अपने उत्तराधिकारी की नियुक्ति के समय किस श्रावक से परामर्श किया था।

(ख) स्थानांग सूत्र में साधु के कितने व कौन-कौन से निश्रास्थान बताये गये हैं।

(ग) इच्छापरिमाण एक तम्बू है उसे टिकाने के लिये कौन सी खूंटियों की अनिवार्यता है।

(घ) प्रायोगिक रूप में नई विधा के कौन से चार महास्कन्ध हैं?

(ङ) वीतराग वाणी पर दृढ़ श्रद्धा का क्या नाम है?